

अर्धनारीनटेश्वर स्तोत्र in Hindi

यह एक मंत्र है जो शिव और पार्वती को समर्पित है। इसमें शिव और पार्वती के अर्धनारीश्वर रूप की स्तुति की गई है, जिसमें आधा शरीर शिव का और आधा पार्वती का है। यहाँ इस मंत्र का हिंदी में विस्तृत विवरण दिया गया है:

श्लोक 1:

चाम्पेयगौरार्धशरीरकायै कर्पूरगौरार्धशरीरकाय । धम्मिल्लकायै च जटाधराय नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ १ ॥

अनुवाद: जिनका आधा शरीर चम्पा के फूल के समान गौर है और जिनका आधा शरीर कर्पूर के समान श्वेत है। जिनके बाल सुंदर ढंग से बंधे हुए हैं और जटा धारण की हुई है, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 2:

कस्तूरिकाकुंकुमचर्चितायै चितारजः पुंजविचर्चिताय । कृतस्मरायै विकृतस्मराय नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ २ ॥

अनुवाद: जो कस्तूरी और कुंकुम से अलंकृत हैं और जो चिता की राख से विभूषित हैं। जिनके पास कामदेव हैं और जो कामदेव को नष्ट करने वाले हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 3:

चलत्क्वणत्कंकणनूपुरायै पादाब्जराजत्फणीनूपुराय । हेमांगदायै भुजगांगदाय नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ ३ ॥

अनुवाद: जिनके चलने से कंकण और नूपुर की मधुर ध्वनि होती है और जिनके चरणों में नागों की नूपुर शोभायमान है। जिनके हाथ में स्वर्ण के आभूषण हैं और जो नागों के आभूषण धारण करते हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 4:

विशालनीलोत्पललोचनायै विकासिपंकेरुहलोचनाय । समेक्षणायै विषमेक्षणाय नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ ४ ॥

अनुवाद: जिनकी आँखें विशाल नीलकमल के समान हैं और जिनकी आँखें खिले हुए कमल के समान हैं। जिनकी दृष्टि समान है और जिनकी दृष्टि विषम है, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 5:

मन्दारमालाकलितालकायै कपालमालांकितकन्धराय । दिव्याम्बरायै च दिगम्बराय
नमः शिवायै च नमः शिवाय ॥ ५ ॥

अनुवाद: जिनके बाल मंदारमाला से सजे हैं और जिनकी गर्दन कपालमाला से सजी है। जो दिव्य वस्त्र धारण करते हैं और जो वस्त्रहीन हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 6:

अम्भोधरश्यामलकुन्तलायै तडित्प्रभाताम्रजटाधराय । निरीश्वरायै निखिलेश्वराय नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ ६ ॥

अनुवाद: जिनके काले बाल बादल की तरह हैं और जिनकी जटाएँ बिजली की तरह चमकती हैं। जो ईश्वररहित हैं और जो सबके ईश्वर हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 7:

प्रपंचसृष्ट्युन्मुखलास्यकायै समस्तसंहारकताण्डवाय । जगज्जनन्यैजगदेकपित्रे नमः
शिवायै च नमः शिवाय ॥ ७ ॥

अनुवाद: जो सृष्टि की उत्पत्ति के लिए नृत्य करती हैं और जो संहार के लिए ताण्डव करते हैं। जो जगत की माता हैं और जो जगत के एकमात्र पिता हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

श्लोक 8:

प्रदीप्तरत्नोज्ज्वलकुण्डलायै स्फुरन्महापन्नगभूषणाय । शिवान्वितायै च
शिवान्विताय नमः शिवायै च नमः शिवाय ॥ ८ ॥

अनुवाद: जिनके कानों में जलते हुए रत्नों के कुण्डल हैं और जो महापन्नग (विषाल नाग) से विभूषित हैं। जो शिव से युक्त हैं और जो स्वयं शिव हैं, उन शिव और पार्वती को नमस्कार है।

इस मंत्र में शिव और पार्वती के अर्धनारीश्वर रूप की महिमा का वर्णन किया गया है, जिसमें उनकी विभिन्न विशेषताओं और गुणों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

यह मंत्र अर्धनारीश्वर स्तोत्र के रूप में प्रसिद्ध है। अर्धनारीश्वर शिव और पार्वती का संयुक्त रूप है, जिसमें आधा शरीर शिव का और आधा शरीर पार्वती का होता है। इस मंत्र में शिव और पार्वती की विभिन्न विशेषताओं, रूपों और अलंकरणों का वर्णन किया गया है। इसमें यह दिखाया गया है कि शिव और पार्वती दोनों एक दूसरे के पूरक हैं और एक ही ईश्वर के दो रूप हैं। यहाँ कुछ अतिरिक्त जानकारी दी गई है:

Ardhnarishwar Stotram in English

**Champeya gowrardha sareerakayai,
Karpooora gourardha sareerakaya,
Dhamillakayai cha jatadaraya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 1 ||**

**Kasthurika kumkuma charchithayai,
Chitharaja puncha vicharchithayai,
Kruthasmarayai vikrutha smaraya,
Nama Shivayai cha namashivaya || 2 ||**

**Jhanath kvanath kankana noopurayai,
Padabja Rajat phani noopuraya,
Hemangadhayai bhujagangadhaya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 3 ||**

**Visala nilothphala lochanayai,
Vikasi pangeruha lochanaya,
Samekshanayai vishamekshanaya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 4 ||**

**Mandhara mala kalithalakayai,
Kapalamalankitha kandharaya,
Divyambarayai cha Digambaraya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 5 ||**

**Ambhodara syamala kunthalayai,
Thadithprabha thamra jatadharaya,
Nireeswarayai nikhileeswaraya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 6 ||**

**Prapancha srushtyun muka lasyakayai,
Samastha samharaka thandavaya,
Jagat jananyai Jagatheka pithre,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 7 ||**

**Pradeeptha rathnojjwala kundalaayai,
Sphuran mahapannaga bhooshanayai,
Shivanvithaayai cha Shivanvithaya,
Nama Shivayai cha namashivaya. || 8 ||**